नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305

इ-मेल: mgahvpro@gmail.com वेबसाइट : www.hindivishwa.org

स्वतंत्रता दिवस की पूर्वसंध्या पर बहुभाषीय कवि सम्मेलन

हिंदी, मराठी, संस्कृत, बांग्ला, भोजपुरी, तमिल, गुजराती, थाई में कविताओं की प्रस्तुति

वर्धा, 17 अगस्त 2017: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में साहित्य एवं संस्कृति

संघ, वर्धा के सहयोग से स्वतंत्रता दिवस की पूर्वसंध्या पर बहुभाषीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें हिंदी, मराठी, संस्कृत, भोजपुरी, तमिल, गुजराती आदि भाषाओं में

कवियों ने अपनी कविताओं की प्रस्तुति की। विश्वविद्यालय के ग़ालिब सभागार में आयोजित कवि सम्मेलन की अध्यक्षता कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने की। इस अवसर पर प्रमुख अतिथि के रूप में प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा, साहित्य विद्यापीठ के संकायाध्यक्ष प्रो. के. के.

सिंह, विदर्भ साहित्य संघ के अध्यक्ष संजय इंगले तिगांवकर, वर्धा जिला परिषद के शिक्षा

अधिकारी एम. एल. डुरे तथा सेवाग्राम आश्रम के जालंधर भाई उपस्थित थे। कवि सम्मेलन में लगभग 35 कवियों ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत की जिसमें श्रीनारायण सिंह, नीलूबाल (थाई भाषा),

आशाताई निंभोरकर, मलिद बेग मुगल, वसंतराव करोडे, नबी रज़ा, प्रदीप त्रिपाठी, लतिका चावड़ा, राजेश यादव, गणेश वाघ, कमल किशोर शर्मा, जी. के. उरकुडे, विद्या कलसाइत, प्रो. अखिलेश

दुबे, प्रभाकर उघडे, जयश्री चारी, संजय ओरके, वीरेंद्र, वीरेंद्र गांधी, नारायण निखाते, रमेश खुरगे, शांताताई पावड़े, संजय इंगले तिगांवकर, डॉ. अनुपमा गुप्ता, रामदास भोमले, प्रो. आनंद वर्धन

शर्मा, प्रा. प्रमोद नारायणे, स्कर्मिश खडसे, जयश्री कोटगिलवार, भास्कर नेवारे, इम्तियाज, अरविंद पाटिल, अनिल नरेडी, भालचंद्र टंभे ने सहभागिता की। अध्यक्षीय उदबोधन में कुलपति

प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने कहा कि सभी कवियों की कविताएं विवि की इ-पत्रिका निमित्त में प्रकाशित करेंगे । उन्होंने कहा कि विचारों की ऊर्जा संचारित करने के लिए इस प्रकार के आयोजन नियमित रूप से कराने का आग्रह आयोजकों से किया। कवि सम्मेलन का संचालन

अनुवाद अध्ययन विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी ने किया तथा स्वागत

जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे ने किया। अतिथियों का शॉल एवं पुष्पगुच्छ से स्वागत साहित्य एवं संस्कृति संघ के अध्यक्ष स्कर्मिश खड़से ने किया।